ज्येष्ठ–आषाढ़ 1936 जून 2014 खण्ड 26 अंक 06

डीआरडीओ समाचार

डी आर डी ओ की मासिक गृह पत्रिका

पृथ्वी रक्षा यान (पी डी वी) अंतरावरोधक का सफल परीक्षण

दो संस्तरोंयुक्त बैलिस्टिक मिसाइल प्रतिरक्षा (बी एम डी) प्रणाली विकसित करने की दिशा में एक उल्लेखनीय प्रगति हासिल करते हुए डी आर डी ओ ने 20 अप्रैल 2014 को पृथ्वी प्रतिरक्षा यान (पी डी वी) मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया जिसके दौरान मिशन संबंधी सभी उद्देश्य प्राप्त किए गए। पृथ्वी प्रतिरक्षा यान (पी डी वी) मिशन का उद्देश्य टार्गेट को लगभग 120 किलोमीटर से भी अधिक ऊंचाई पर बाह्य वायुमंडलीय क्षेत्र में ही ध्वस्त करना है।

पी डी वी अंतरावरोधक तथा मोटरयुक्त दो चरणों वाले टार्गेट दोनों को विशेषकर पी डी वी मिशन के लिए तैयार किया गया था। 2000 किलोमीटर से भी अधिक दूरी से सामने की ओर आ रहे दुश्मन देश के बैलिस्टिक मिसाइल के सदृश इस टार्गेट को सदृश बंगाल की खाड़ी में स्थित एक पोत से लांच किया गया।

पी डी वी का सफल परीक्षण।

एक स्वचालित कंप्यूटर नियंत्रित ऑपरेशन के दौरान रडार पर लगे संसूचन तथा अनुवर्तन प्रणालियों ने दुश्मन देश के बैलिस्टिक मिसाइल को संसूचित तथा अनुवर्तित किया। रडार से प्राप्त हुए आंकड़ों की सहायता से कंप्यूटर नेटवर्क ने सामने से आ रही बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेप पथ का पूर्वानुमान लगाया। कंप्यूटरीकृत प्रणाली द्वारा छोड़े जाने के संबंध में आवश्यक आदेश देने पर पूर्णतः तैयार पी डी वी द्वारा उड़ान भरी गई। अतिरिक्त सूक्ष्म नौसंचालन प्रणाली (आर एम एन एस) द्वारा समर्थित तथा उच्च परिशुद्धतायुक्त जड़त्वीय नौसंचालन प्रणाली (आई एन एस) द्वारा निर्देशित अंतरावरोधक अनुमानित अंतरावरोधन स्थल की ओर चल पड़ा। मिसाइल द्वारा वायुमंडल को पार करते ही ऊष्मा शील्ड बाहर

इस अंक में

- प्रावस्था परिवर्तनकारी पदार्थ से निर्मित ठंडे वास्कट तथा टोपी
- वरटॉक्स प्रयोगशाला का उद्घाटन
- उच्च कार्य–निष्पादनयुक्त इलैक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग हेतु नई प्रौद्योगिकी
- युवा वैज्ञानिक एवं सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन पुरस्कार–2013
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह
- स्थापना दिवस समारोह
- मानव संसाधन विकास गतिविधियां
- कार्मिक समाचार
- पुरस्कार
- राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह
- खेलकूद समाचार
- डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण

आ गया तथा अवरक्त टोही गुम्बद खुल गया ताकि मिशन कंप्यूटर द्वारा निर्धारित किए गए अनुसार टार्गेट की स्थिति को ज्ञात किया जा सके। जड़त्वीय मार्गदर्शन तथा अवरक्त टोही की सहायता से मिसाइल द्वारा अंतरावरोधन की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इन सभी घटनाओं पर विभिन्न स्थलों पर स्थापित किए गए दूरमिति/रेंज स्टेशनों द्वारा वास्तविक काल के दौरान निगरानी रखी गई।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के महानिदेशक श्री अविनाश चंदर ने मिशन टीम को बधाई दी। परीक्षण उड़ान के दौरान डॉ वी जी शेखरन, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एम एस एस); डॉ सतीश रेड्डी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई); श्री अदालत अली, कार्यक्रम निदेशक, ए डी; श्री वाई श्रीनिवास राव, परियोजना निदेशक, ए डी; श्री एम वी के वी प्रसाद, उकृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर); श्रीमती टेस्सी थॉम्स, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा परियोजना निदेशक, अग्नि–4 तथा डी आर डी ओ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रावस्था परिवर्तनकारी पदार्थ से निर्मित ठंडे वास्कट तथा टोपी

भारत की ऊष्ण कटिबंधीय जलवायु में पड़ने वाली अत्यधिक गर्मी इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। इस दौरान अत्यधिक जल तथा खनिज पदार्थों की क्षति के कारण शरीर का शीतलन तंत्र कार्य करना बंद कर देता है जिसके फलस्वरूप अत्यधिक गर्मी के कारण थकान, शरीर में ऐंठन, शरीर पर चकत्ते उत्पन्न होते हैं, व्यक्ति बेहोश हो सकता है, वह तापाघात का शिकार हो सकता है या उसकी मृत्यु भी हो सकती है। सशस्त्र बलों को भी, विशेषकर मरुस्थलीय क्षेत्रों में गर्मी से संबंधित अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर ने गर्मी के कारण होने वाली परेशानियों को पर्याप्त कम करने के लिए प्रावस्था परिवर्तनकारी पदार्थ (पी सी एम) से निर्मित ठंडे वास्कट तथा ठंडी टोपियां तैयार की हैं।

तैयार किए गए इस प्रकार के वास्कट में रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर द्वारा विकसित किए गए पी सी एम ठंडे पैकों को रखने के लिए अनेक पॉकेट बने होते हैं। पैकों के भीतर पी सी एम चार्ज होने के दौरान ठंड को गुप्त ऊष्मा के रूप में भंडारित करता है तथा डिस्चार्ज होने के दौरान उसे मुक्त करता है और इस प्रक्रिया में मानव शरीर को गर्मी से राहत मिलती है। डिस्चार्ज हो चुके पी सी एम पैकों को फिर से चार्ज किया जा सकता है। इन वास्केटों तथा टोपियों का मानव शरीर पर उनके शरीरक्रियात्मक प्रभावों का अध्ययन करने के लिए अनुकारित ऊष्मा दशाओं के अंतर्गत मूल्यांकन किया गया। ये दोनों ही मानव शरीर से पसीना निकलने की दर को 30–40 प्रतिशत तक कम करने में प्रभावी पाए गए हैं तथा गर्म जलवायु में इन्हें प्रयोग में लाने पर यह ज्ञात हुआ कि ये प्रयोक्ता मानव शरीर के हृदय की दर तथा उसके शरीर के तापमान को सुरक्षित सीमाओं के भीतर बनाए रखने में सक्षम हैं। ये वास्कट तथा टोपियां नाभिकीय, जैविक तथा रासायनिक (एन बी सी) सूटों में भी गर्मी के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में प्रभावी सिद्ध हुए हैं।

भारतीय थल सेना, सीमा सुरक्षा बल, तथा भारतीय रेलवे द्वारा इनका फील्ड परीक्षण तथा मूल्यांकन किया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने इन वास्कटों तथा टोपियों के 2000 सेट की आवश्यकता सूचित की है।इन उत्पादों का भारतीय वायु सेना तथा भारतीय नौसेना द्वारा भी मूल्यांकन किया जा रहा है। ठंडी वास्कट तथा टोपियों का नागरिक क्षेत्र में भी उपयोग किया जा सकता है तथा इन्हें अग्निशामक दस्तों, औद्योगिक कामगारों, खिलाड़ियों आदि द्वारा भी प्रयोग में लाया जा सकता है। इन उत्पादों के डी आर डी ओ–फिक्की द्वारा चलाए जा रहे त्वरित प्रौद्योगिकी मूल्यांकन तथा वाणिज्यीकरण (ए टी ए सी) कार्यक्रम के माध्यम से प्रौद्योगिकी अंतरण (टी ओ टी) पर विचार किया जा रहा है।

मुख्य विशेषताएं

निर्माण सामग्री	कपास/नाइलॉन फैब्रिक
पॉकेटों की संख्या	वास्कट में 12 तथा टोपी में 2
भार	वास्कट : 2 किग्रा टोपी : 0.3 किग्रा
रिचार्ज करने में लगने वाला समय	रेफ्रिजरेटर में 4 तथा 5 घंटे
गर्मी से राहत प्राप्त होने की अवधि	एकल पैक के साथ 2.5 घंटे, दोहरे पैक के साथ 3.5–4 घंटे

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

वरटॉक्स प्रयोगशाला का उद्घाटन

रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार श्री अविनाश चंदर, सचिव, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग एवं महानिदेशक, रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन ने दिनांक 30 अप्रैल 2014 को रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर ओ पी सी डब्ल्यू द्वारा मनोनीत वरटॉक्स प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ मानस के मंडल, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (जीव विज्ञान); जीव विज्ञान निदेशक, श्री लोकेन्द्र सिंह; डॉ भुवनेश कुमार, श्री देवकांत पहाड़ सिंह एवं श्री रवि कुमार गुप्ता, निदेशक, पब्लिक इंटरफेस, डी आर डी ओ मुख्यालय उपस्थित थे।

श्री अविनाश चंदर, वरटॉक्स प्रयोगशाला का उद्घाटन करते हुए।

उच्च कार्य–निष्पादनयुक्त इलैक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग हेतु नई प्रौद्योगिकी

रणनीतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण अधात्विक पदार्थों तथा प्रौद्योगिकियों को स्वदेश में तैयार करने तथा विकसित करने को ध्यान में रखकर स्थापित की गई रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान तथां विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई), कानपुर ने केंद्रीय कांच तथा सिरामिक्स अनुसंधान संस्थान (सी जी सी आर आई), कोलकाता के सहयोग से हाल ही में रासायनिक वाष्प निक्षेपण (सी वी डी) विधि द्वारा उत्पन्न उच्च वाष्प दाब युक्त आण्विक दृष्टि से निर्मित द्रव पॉलिकार्बोसिलेन द्वारा उच्च ताप इलैक्ट्रॉनिक प्रयोगों हेतु सिलिकन कार्बाइड (SiC) निक्षेपित करने की एक नई प्रौद्योगिकी विकसित की है। कोण ऐक्स–किरण विवर्तनमापी तथा फूरिये रूपांतर अवरक्त स्पेक्ट्रमिकी से यह ज्ञात होता है कि इनके अनुप्रयोग से पूर्णतः चिकना–सिलिकन कार्बाइड आवरण प्राप्त होता है तथा यह तदुपरांत सिलिकन सब्सट्रेट पर अल्फा–सिलिकन कार्बाइड में रूपांतरित हो जाता है। यह फिल्म विभिन्न तापमानों पर एकसमान मोटाई की ज्ञात हुई तथा इसकी मोटाई 0.6 से 1.2 माइक्रोमीटर के बीच देखी गई। जैसाकि क्षेत्र उत्सर्जन क्रमवीक्षण इलैक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शिकी की सहायता से ज्ञात होता है, इसका औसत कण आकार 7 से लेकर 385 नैनो मीटर के सन्निकट है; इसका न्यूनतम रेंज 7–20 नैनोमीटर के बीच में ज्ञात हुआ है जो एल पी सी एस का प्रयोग करके अब तक सिलिकन कार्बाइड के पूर्ववर्ती पदार्थ के रूप में ज्ञात नहीं किया जा सका था। आवरणयुक्त नमूनों से कठोरता (~18.8 GPa) तथा कड़ापन (~1.51 MPa $m^{1/2}$) दोनों में पर्याप्त वृद्धि ज्ञात की गई और यह देखा गया कि निक्षेपण तापमान में वृद्धि के साथ इन दोनों में वृद्धि होती है। अन्य रासायनिक वाष्प निक्षेपण विधियों जिनमें अत्यधिक उच्च तापमान की आवश्यकता होती है, की तुलना में चिकनी तथा तनु सिलिकन कार्बाइड कोटिंग का सिलिकन पर निर्माण तीन विभिन्न मध्य तापमानों पर हुआ। कठोरता तथा कड़ापन में वृद्धि होने से एल पी सी एस द्वारा निर्मित सिलिकन कार्बाइड आवरण सूक्ष्म वैद्युत यांत्रिक प्रणाली (एम ई एम एस) अनुप्रयोग हेतु अपेक्षित अत्यधिक कठोर परिवेश में एक अत्यधिक उपयोगी पदार्थ सिद्ध हुआ है।

900 डिग्री सेल्सियस तापमान पर द्रव पॉलिकार्बोसिलेन का एक पूर्ववर्ती पदार्थ के रूप में प्रयोग करके एक आशोधित सी वी डी तकनीक द्वारा कार्बन समृद्ध क्रिस्टलयुक्त (C) – SiC तथा n प्रकार के सिलिकन द्वारा एक नए परिशोधक इंटरफेस पदार्थ को भी विकसित किया गया है।

युवा वैज्ञानिक एवं सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन पुरस्कार–2013

युवा वैज्ञानिक पुरस्कार–2013

श्री इकसाम–उल–मुख्तार, वैज्ञानिक 'डी', वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई), बैंगलूरु।

श्री अजीत गौड़, वैज्ञानिक 'सी', हवाई वितरण अनुसंधान था विकास स्थापना (ए डी आर डी ई), आगरा।

श्री जे नलिनी विद्युलता, वैज्ञानिक 'डी', उन्नत अंकीय अनुसंधान तथा विश्लेषण समूह (अनुराग), बैंगलूरु।

डॉ बी प्रवीण कुमार, वैज्ञानिक 'डी', आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे।

श्री विकास भाटिया, वैज्ञानिक 'डी', रक्षा इलैक्ट्रोनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून।

श्री वुतुकुरी श्रीनिवास, वैज्ञानिक 'डी', रक्षा इलैक्ट्रॉनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद।

श्री कार्तिक प्रसाद, वैज्ञानिक 'डी', रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद।

डॉ वीरेंद्र विक्रम सिंह, वैज्ञानिक 'सी', रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर।

श्रीमती रेशमा खान, वैज्ञानिक 'डी', गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरु।

श्री कमल के पंत, वैज्ञानिक 'डी', यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून।

श्री विष्णु ओ सी, वैज्ञानिक 'डी', इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रेडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलूरु।

श्री समीर अब्दुल अजीज, वैज्ञानिक 'ई', नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि।

श्री एस राम बाबू, वैज्ञानिक 'डी', नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तम।

श्री जी मुरली कृष्ण, वैज्ञानिक 'डी', अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद।

श्री आशीष गोयल, वैज्ञानिक 'डी', चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टी बी आर एल), चंडीगढ़।

श्री गौरव एस पंचाल, वैज्ञानिक 'डी', वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (वी आर डी ई), अहमदनगर।

सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन पुरस्कार–2013

श्री एस मणिमारन, वैयक्तिक सहायक, ग्रेड 'सी', रक्षा उड्डयानिकी अनुसंधान स्थापना (डेयर), बैंगलूरु।

श्री ऋषि कालिया, तकनीकी अधिकारी 'ए', भर्ती तथा मूल्यांकन केंद्र (आर ए सी) दिल्ली।

श्री मानवर सिंह चौधरी, वैयक्तिक सहायक, ग्रेड 'सी', प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी।

श्री राम आसरे, तकनीकी अधिकारी 'डी', रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर।

श्री गट्टू श्रवण कुमार, तकनीकी अधिकारी 'ए', उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला, हैदराबाद।

श्रीमती अनिता विनोद, तकनीकी अधिकारी 'ए', ई आर एंड आई पी आर निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय।

श्री टी संबाशिव राव, तकनीकी अधिकारी 'सी', रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डी आर डी एल) हैदराबाद।

श्री जय कुमार दीक्षित, लेखा अधिकारी, प्रबंध सेवा निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय।

श्री ध्रुव कांत सिंह, तकनीकी अधिकारी 'बी' वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी), दिल्ली।

श्री संतोष कुमार चौधरी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक 'सी', अनुसंधान केंद्र इमारत, हैदराबाद।

श्री दुवु कर्मा दालैया, तकनीशियन 'सी', अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स), पुणे।

श्रीमती दीप्ति भाटिया, तकनीकी अधिकारी 'सी', बजट, वित्त एवं लेखा निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय।

श्री मोहम्मद फिरोज़ एस, वरिष्ठ तकनीकी सहायक 'बी', कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरु।

श्री एस आर डांगे, वरिष्ठ भंडार सहायक, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे।

मोहम्मद शमीम अहमद, वैयक्तिक सहायक, राजभाषा तथा संगठन एवं पद्धति निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय।

श्री प्रताप सिंह राणा, तकनीकी अधिकारी 'ए', ठोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एस एस पी एल) दिल्ली।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

युवा वैज्ञानिक पुरस्कार–2013

श्री इकसाम उल मुखतार, वैज्ञानिक डी, ए डी ई, बैंगलूरू।

श्री अजीत गौड़, वैज्ञानिक सी, ए डी आर डी ई, आगरा।

श्रीमती जय नलिनी विद्युलता, वैज्ञानिक डी, अनुराग, बैंगलूरू।

डॉ बी प्रवीण कुमार, वैज्ञानिक डी, ए आर डी ई, पुणे।

श्री विकास भाटिया, वैज्ञानिक डी, डील, देहरादून।

श्री वुतुकुरी श्रीनिवास, वैज्ञानिक डी, डी एल आर एल, हैदराबाद।

श्री कार्तिक प्रसाद, वैज्ञानिक डी, डी एम आर एल, हैदराबाद।

श्रीमती रेशमा खान, वैज्ञानिक डी, जी टी आर ई, बैंगलूरू।

युवा वैज्ञानिक पुरस्कार–2013

श्री कमल के पंत, वैज्ञानिक डी, आई आर डी ई, देहरादून।

श्री विष्णु ओ सी, वैज्ञानिक डी, एल आर डी ई, बैंगलूरू।

श्री समीर अब्दुल अजीज, वैज्ञानिक ई, एन पी ओ एल, कोच्चि।

श्री एस रामबाबू, वैज्ञानिक डी, एन एस टी एल, विशाखापत्तनम।

श्री जी मुरलीकृष्ण, वैज्ञानिक डी, आर सी आई, हैदराबाद।

श्री आशीष गोयल, वैज्ञानिक डी, टी बी आर एल, चंडीगढ़।

श्री गौरव एस पांचाल, वैज्ञानिक डी, वी आर डी ई, अहमदनगर।

डी आर डी ओ समाचार की ओर से सभी विजेताओं को ढेर सारी शुभकामनाएं।

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद द्वारा डॉ मनोज कुमार जैन को संवाददाता नियुक्त किया गया है। संपादक मण्डल आपका स्वागत करता है।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन पुरस्कार–2013

श्री एस मणिमारन, वैयक्तिक सहायक सी, डेयर, बैंगलूरू।

श्री ऋषि कालिया, तकनीकी अधिकारी ए, आर ए सी, दिल्ली।

श्री मानवर सिंह चौधरी, वैयक्तिक सहायक सी, आई टी एम, मसूरी।

श्री राम आसरे, तकनीकी अधिकारी डी, डी आर डी ई, ग्वालियर।

श्री गट्टू श्रवण कुमार, तकनीकी अधिकारी ए, ए एस एल, हैदराबाद।

श्रीमती अनिता विनोद, तकनीकी अधिकारी ए, ई आर एवं आई पी आर, डी आर डी ओ मुख्यालय।

श्री टी सम्बा सिवा राव, तकनीकी अधिकारी सी, डी आर डी एल, हैदराबाद।

श्री जयकुमार दीक्षित, लेखाधिकारी, डी एम एस, डी आर डी ओ मुख्यालय।

सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन पुरस्कार–2013

श्री ध्रुव कांत सिंह, तकनीकी अधिकारी बी, एस ए जी, दिल्ली।

श्री संतोष कुमार चौधरी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक सी, आर सी आई, हैदराबाद।

मोहम्मद शमीम अहमद, वैयक्तिक सहायक, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय।

श्रीमती दीप्ति भाटिया, तकनीकी अधिकारी सी, बजट, वित्त एवं लेखा निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय।

श्री मोहम्मद फिरोज एस, वरिष्ठ तकनीकी सहायक बी, केयर, बैंगलूरू।

श्री एस आर डांगे, वरिष्ठ भण्डार सहायक, एच ई एम आर एल, पुणे।

श्री दुवु कर्मा दालैया, तकनीशियन सी, आर एंड डी ई, पुणे।

श्री प्रताप सिंह राणा, तकनीकी अधिकारी ए, एस एस पी एल, दिल्ली।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

सर सी वी रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज किए जाने के उपलक्ष्य में भारत में प्रति वर्ष 28 फरवरी का दिन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोहों को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों में विज्ञान के महत्त्व और इसके प्रयोग से संबंधित बातों का प्रचार–प्रसार करना है। विज्ञान विषयक जानकारियों का प्रसार करने के लिए डी आर डी ओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोहों का आयोजन किया।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) पुणे

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोहों के हिस्से के रूप में उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) पुणे ने विभिन्न क्रियाकलापों जैसेकि प्रस्तुतीकरण, विज्ञान वर्ग पहेली, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण एवं डी आर डी ओ प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों का आयोजन किया तथा यह कार्यक्रम पूरे एक पखवाड़े तक चला। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं को आयोजित करने से संबंधित मुख्य–मुख्य बातों में विज्ञान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए लोकप्रिय टेलीविजन कार्यक्रम 'कौन बनेगा करोड़पति' की तर्ज पर हाई–फाई प्रौद्योगिकी का प्रयोग, विज्ञान वर्ग–पहेली के प्रश्नपत्र को तैयार करने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर का प्रयोग, तथा डी आर डी ओ प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के प्रश्नपत्र के मूल्यांकन हेतु रक्षा विज्ञान मंच (डी एस एफ) द्वारा विकसित किए गए विशेष सॉफ्टवेयर का प्रयोग शामिल है।

प्रोफेसर डब्ल्यू एन गडे को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए श्री बी भट्टाचार्य।

पुणे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डब्ल्यू एन गडे 28 फरवरी 2014 को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। एच ई एम आर एल के निदेशक, श्री बी भट्टाचार्य, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने अपने भाषण में कहा कि विज्ञान से लाभ तभी पूरा होगा यदि उसका प्रयोग करके कोई वास्तविक (उपयोगी) उत्पाद विकसित किया जा सके। प्रोफेसर डब्ल्यू एन गडे ने ग्रामीण/सुदूर क्षेत्रों के छात्रों द्वारा अध्ययन को जारी रखने तथा अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा को पोषित करने के लिए सामना की जाने वाली मुख्य चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

डॉ एम अणियप्पन, वैज्ञानिक 'डी' द्वारा 'आधुनिक प्रतिरक्षा परिदृश्य हेतु असंवेदनशील ऊर्जित पदार्थ–भारतीय परिदृश्य' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान के दौरान आपने असंवेदनशील अथवा हीनग्राही युद्ध सामग्री की आवश्यकता, किसी विस्फोटक पदार्थ को हीनग्राही युद्ध सामग्री की श्रेणी में रखने के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली विभिन्न प्रेक्षण विधियों तथा हीनग्राही युद्ध सामग्री तैयार करने की विधियों पर प्रकाश डाला। आपने एच ई एम आर एल में हीनग्राही युद्ध सामग्री को विकसित करने की स्थिति के संबंध में भी संक्षेप में चर्चा की।

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि ने 28 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) समारोह आयोजित किया जिसके दौरान शृंखलाबद्ध ज्ञानवर्धक वार्ता तथा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। डॉ आर रमेश, वैज्ञानिक 'एफ' ने ट्रांसड्यूसर विन्यासों में ध्वनिक अंतःक्रिया विषय पर एन एस डी व्याख्यान दिया जिसमें ट्रांसड्यूसर विन्यासों पर ध्वनिक कपलिंग के प्रभावों पर बल दिया गया तथा सोनार ट्रांसड्यूसर विन्यासों के ग्रीन पैटर्न तथा ध्वनिक पावर आउटपुट से संबंधित अंतःसंबंधित अध्ययनों के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम की मुख्य–मुख्य बातों में एन पी ओ एल की तकनीकी पत्रिका सी टेक के नवीनतम अंक तथा विभिन्न समूहों तथा

परियोजनाओं से संबंधित मोनोग्राफों और तकनीकी लेखों की श्रृंखला का विमोचन शामिल था।

समारोह के एक हिस्से के रूप में तिरुवनंतपुरम स्थित भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई एस टी) के भौतिक विभाग के प्रमुख प्रोफेसर सी एस नारायणमूर्ति द्वारा 'समसामयिक अनुकूली प्रकाश–विज्ञान' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। विज्ञान दिवस के व्याख्याता को एन पी ओ एल के निदेशक श्री एस अनंतनारायणन, विशिष्ट वैज्ञानिक द्वारा एक पदक और सराहना पत्र भेंट करके सम्मानित किया गया।

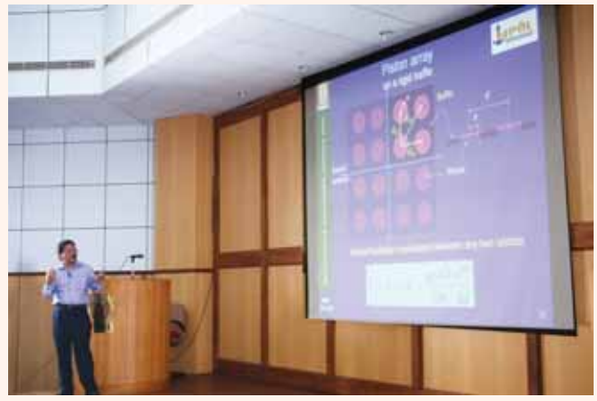

एन एस डी व्याख्यान देते हुए डॉ आर रमेश।

सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक), बैंगलूरु

सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक), बैंगलूरु ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया जिसके दौरान क्षेत्रीय सैन्य उड़नयोग्यता केंद्र (आर सी एम ए), हैदराबाद की श्रीमती एन ए अनुराधा, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा सैन्य वायुयान हेतु उड्डयानिकी प्रणालियों के सॉफ्टवेयर प्रमाणीकरण विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान में प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को पूरा करने तथा सशस्त्र सेनाओं को संतोषजनक उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए अभिकल्पकों तथा प्रमाण प्रदाताओं दोनों के लिए अपेक्षित आवश्यक अवसंरचना तथा कौशल पर प्रकाश डाला गया।

श्रीमती एन ए अनुराधा, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान देते हुए।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

पाठकों की राय

आपकी राय हमारे लिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें इस पत्रिका को और अधिक उपयोगी तथा सूचनाप्रद बनाने तथा संगठन को बेहतर रूप में अपनी सेवा उपलब्ध कराने के अवसर प्राप्त होते हैं। डी आर डी ओ समाचार अपने सम्मानित पाठकों से प्रकाशित सामग्रियों तथा विषयों की गुणवत्ता के बारे में अपने सुझाव प्रेषित करने का अनुरोध करता है। कृपया अपने सुझाव निम्नलिखित पते पर भेजें:

संपादक, डी आर डी ओ समाचार, रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), मेटकॉफ हाउस, दिल्ली–110054 **ई-मेल : director@desidoc.drdo.in**

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद

श्री के जयरमन, डॉ नवनीत पटनायक तथा श्रीमती टेस्सी थॉमस के साथ दीप प्रज्जवलित करती हुई श्रीमती अम्सा जयरमन।

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद ने 27 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर ए एस एल की प्रथम महिला श्रीमती अम्सा जयरमन सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं। ए एस एल के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष तथा सह–निदेशक श्रीमती टेस्सी थॉमस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने स्वागत भाषण दिया। श्री के जयरमन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, ए एस एल ने समारोह की अध्यक्षता की।

डॉ नवनीत पटनायक, डी जी ओ, डी आर डी ओ अपोलो अस्पताल ने ग्रीवा कैंसर तथा इसके निवारण विषय पर एक व्याख्यान दिया। इस दौरान आयोजित किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के साथ भेदभाव, बालिका भ्रूण हत्या, दहेज, तलाक आदि को दर्शाते हुए एक नृत्य शृंखला आयोजित की गई तथा महिलाओं में बहु–स्तरीय प्रबंध कौशल को प्रदर्शित करते हुए एक प्रहसन आयोजित किया गया, जिसकी अत्यधिक सराहना तथा भारी प्रशंसा की गई। ए एस एल की महिला प्रकोष्ठ द्वारा ओमेगा अस्पताल के सहयोग से एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया।

श्रीमती एस संकरी समारोह की मुख्य अतिथि थीं। श्रीमती एस रमा, सदस्य–सचिव, महिला प्रकोष्ठ, ए एस एल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे ने 10 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जिसके दौरान एक अत्यधिक सूचनाप्रद एवं मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ए आर डी ई के स्थानापन्न निदेशक श्री के एम राजन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने उपस्थित विशिष्ट जनों को संबोधित करते हुए समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान तथा उनके द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात सुर संजीवन के पंडित शशांक कट्टी द्वारा संगीत उपचार (म्युजिक थेरेपी) विषय पर व्याख्यान–सह–प्रदर्शन

विविधता में एकता कार्यक्रम में ए आर डी ई के प्रतिभागी ।

कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें आपने शारीरिक एवं मानसिक अस्वस्थता जैसेकि तनाव, उच्च तनाव, संधिशोथ, अम्लता, माइग्रेन आदि के मामले में संगीत के उपचारात्मक प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। इस व्याख्यान के पश्चात महिला कर्मचारियों द्वारा एक अत्यधिक मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया तथा उनके लिए एक रोचक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स) बैंगलूरु

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स) बैंगलूरु में 11 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वर्ष 2009 से चली आ रही परंपरा के अनुसार कैब्स की महिला कर्मचारियों में से प्रत्येक ने वित्तीय रूप से कमजोर दो स्कूली बच्चों की शिक्षा के लिए स्वेच्छा से 10,000/– रुपए का अंशदान किया।

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरु

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरु ने 10 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर बैंगलूरु स्थिति माउंट कार्मेल कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग के सह–प्राध्यापक डॉ ए सुंदरावल्ली द्वारा एक वार्ता प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में केयर के महिला प्रकोष्ठ द्वारा सुडोकू, म्यूजिकल चेयर आदि जैसे खेलों का आयोजन किया गया।

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर ने 06 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर जोधपुर में तैनात मुख्य आय कर आयुक्त श्रीमती अर्चना रंजन, आई आर एस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं। आपने अपने भाषण में महिलाओं की शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया तथा यह कहा कि भारतीय महिलाओं को वित्तीय दृष्टि से स्वतंत्र होना चाहिए। डी एल, जोधपुर के निदेशक, डॉ एस आर वढेरा ने समारोह की अध्यक्षता की। अपने भाषण में आपने विभिन्न क्षेत्रों में महिला वैज्ञानिकों के योगदान पर प्रकाश डाला। डॉ गीता सिंह, वैज्ञानिक 'ई' ने महिला दिवस

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डॉ वढेरा।

आयोजित करने से संबंधित इतिहास तथा इसकी आवश्यकता के महत्त्व का उल्लेख किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। डॉ सन्ध्या सोनगर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

रक्षा इलैक्ट्रॉनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद

रक्षा इलैक्ट्रॉनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद ने 14 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर डी एल आर एल की प्रथम महिला श्रीमती गीता रानी दास सम्मानित अतिथि तथा हैदराबाद विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका, डॉ जी पद्मजा मुख्य अतिथि थीं। महिला प्रकोष्ठ की सह–अध्यक्ष श्रीमती नीता गोगिया, वैज्ञानिक 'जी' ने अतिथियों तथा आमंत्रित विशिष्टजनों का स्वागत किया।

इस अवसर को स्मरणीय बनाने के लिए डॉ पद्मजा तथा राम कृष्ण मठ के स्वामी श्रुति कंटानंद द्वारा 'महिलाओं के विरुद्ध हिंसा–एक मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य' तथा 'महिला सशक्तीकरण' विषय पर वार्ता प्रस्तुत की गई। डी एल आर एल के निदेशक तथा डी एल आर एल के महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री एस पी दास, विशिष्ट वैज्ञानिक ने भी उपस्थित विशिष्ट जनों को संबोधित किया तथा भारतीय महिलाओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर को सुरुचिपूर्ण बनाने के लिए मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। श्रीमती लक्ष्मी, वैज्ञानिक 'ई' ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

रक्षा भू–भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डी टी आर एल), दिल्ली

रक्षा भू–भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डी टी आर एल), दिल्ली के महिला प्रकोष्ठ ने 12 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर डी टी आर एल के निदेशक डॉ एम आर भुटियानी ने अपने स्वागत भाषण में डी टी आर एल की महिला वैज्ञानिकों तथा यहां के कर्मचारियों की सराहना की तथा उन्हें बधाई दी। नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली की डॉ मंजू बाला पोपली, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'डी आर डी ओ की सेवा में रेडियोलॉजी' विषय पर एक व्याख्यान दिया। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका विषय पर एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरु

कार्यक्रम का उद्घाटन करती हुई श्रीमती इंद्रजीत कुमार।

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरु ने 12 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। जी टी आर ई के निदेशक तथा जी टी आर ई के महिला प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ सी पी रामनारायणन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने इस समारोह की अध्यक्षता की। श्रीमती इंद्रजीत कुमार, आई एफ ए (आर एंड डी) मुख्य अतिथि थीं तथा जी टी आर ई की प्रथम महिला श्रीमती लक्ष्मी रामनारायणन इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं। अपने भाषण में डॉ सी पी रामनारायणन ने इस बात पर बल दिया कि महिलाओं को अपनी संपूर्ण क्षमताओं को भरपूर प्रयत्न करके प्रयोग में लाना चाहिए।

श्रीमती इंद्रजीत कुमार ने अपने भाषण में युगों से चली आ रही अप्रासंगिक हो चुकी परंपराओं को बदलने पर बल दिया तथा महिलाओं को अपने नारीत्व पर गौरवान्वित होने के लिए प्रोत्साहित किया। श्रीमती लक्ष्मी रामनारायणन ने सकारात्मक सोच, तनाव प्रबंधन तथा व्यक्तित्व विकास विषय पर एक विचारोत्पादक व्याख्यान दिया। डी आर डी ओ की सहायक प्रयोगशालाओं में स्थानांतरित हो चुकी तथा अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त हो रही महिला कर्मचारियों को उनके अध्यवसाय तथा समर्पित योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि

डॉ मूसी मैरी जॉर्ज को एन पी ओ एल के निदेशक श्री एस अनंतनारायणन, विशिष्ट वैज्ञानिक द्वारा सम्मानित किया जा रहा है।

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि ने अलुवा स्थित यूनियन क्रिश्चयन कॉलेज की डॉ मूसी मैरी जॉर्ज, जो एक प्रख्यात प्राध्यापिका, लेखिका तथा सामाजिक विश्लेषक हैं, द्वारा "प्रेरणादायी परिवर्तन : आइये हम अपने घर से आरंभ करें" विषय पर दिए गए आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन करके अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम मनाया। आपने अपने व्याख्यान में श्रोताओं को अपने वृहत घर अर्थात इस धरती माता के कल्याण की दिशा में सोचने तथा उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस व्याख्यान के पश्चात अत्यधिक सजीव तथा रोचक विचारों के पारस्परिक आदान–प्रदान का सत्र आयोजित किया गया।

इस अवसर पर एन पी ओ एल की महिला टीम द्वारा लिखी गई तथा संकलित की गई पुरस्कार प्राप्त

कविता का गान किया गया जिसके द्वारा महिला के जीवन के सुंदरतम पक्ष अर्थात उसके मातृत्व के रूप पर प्रकाश डाला गया था। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के राष्ट्रीय अभिकल्प तथा अनुसंधान फोरम द्वारा प्रदत्त 'सुमन शर्मा पुरस्कार' से सम्मानित श्री डी सुभद्रा भाई, वैज्ञानिक 'एफ' का अभिनंदन भी किया गया।

अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स) {आर एंड डी ई (ई)}, पुणे

अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स) {आर एंड डी ई (ई)}, पुणे ने 07 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जिसके दौरान श्रीमती निशा वर्मा, कॉरपोरेट प्रशिक्षक द्वारा योग तथा तनाव प्रबंधन विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया। आपके द्वारा दिए गए इस व्याख्यान में तनाव को दूर करने के लिए व्यायाम तथा अन्य तकनीकों को शामिल किया गया।

श्रीमती निशा वर्मा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ एस गुरूप्रसाद।

इस अवसर पर आर एंड डी ई (ई), पुणे के निदेशक, डॉ एस गुरूप्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने भी उपस्थित विशिष्ट जनों को संबोधित किया। आर एंड डी ई (ई), पुणे के विशेषकर पुरुष कर्मचारियों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्थापना दिवस समारोह

संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई), चेन्नई

स्थापना दिवस भाषण देते हुए डॉ पी शिवकुमार।

संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई), चेन्नई ने अत्यधिक उत्साह तथा उमंग के साथ 21 मार्च 2014 को अपने यूनिट का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सी वी आर डी ई के निदेशक डॉ पी शिवकुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रोफेसर इलाक्किया तेंड्रल एम विजयकुमार सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

इस अवसर पर समारोह समिति के अध्यक्ष, श्री एम रामानाथन, वैज्ञानिक 'एफ' ने समारोह में उपस्थित सभी विशिष्टजन का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ पी शिवकुमार ने अपने उद्घाटन भाषण में इस दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डाला तथा सी वी आर डी ई द्वारा अर्जुन एम बी टी मार्क–II, अर्जुन कैटापुल्ट, मानवरहित भू यान (यू जी वी), तथा मानवरहित वायुयान (यू ए वी) रुस्तम–II लैंडिंग गियर आदि सहित हाल में प्राप्त की गई सभी उपलब्धियों का उल्लेख किया। आपने एक निर्धारित समय सीमा के भीतर अर्जुन एम बी टी मार्क–II में सभी सुधारों को पूरा करने के लिए योगदान करने वाले सभी कर्मचारियों को बधाई भी दी। प्रोफेसर विजय कुमार ने अपना विशेष व्याख्यान दिया जो सभी कर्मचारियों के लिए अत्यधिक प्रेरणाप्रद सिद्ध हुआ।

डॉ शिवकुमार ने कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विभिन्न पुरस्कार तथा संस्थान में 25 वर्षों की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मचारियों को स्मृति चिह्न एवं

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

आयोजन समिति द्वारा आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया।

इस समारोह में संस्थान के कर्मचारियों तथा उनके बच्चों द्वारा आयोजित किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा टेलीविजन कलाकार कुमारी मृदुला सर्वनन के सुमधुर गीत ने समारोह की शोभा बढ़ाई। XVII निर्माण समिति के उपाध्यक्ष श्री स्टैंडी धनराज द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समारोह का समापन हुआ।

रक्षा भू भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डी टी आर एल), दिल्ली

दीप प्रज्जवलित करते हुए श्री सुंदरेश।

रक्षा भू भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डी टी आर एल), दिल्ली ने 19 फरवरी 2014 को अपना 50वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर श्री एस सुंदरेश, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (ए सी ई) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। अपने स्वागत भाषण में डी टी आर एल के निदेशक डॉ एम आर भुटियानी ने भू–भागीय आसूचना रिपोर्टों, भू–आई एन टी उत्पादों, भूस्खलन की संभावनाओं वाले क्षेत्रों हेतु मार्ग मानचित्र तथा प्रयोगशाला द्वारा विकसित किए गए जी आई एस सॉफ्टवेयर को तैयार करने में प्रयोगशाला द्वारा किए गए योगदान पर प्रकाश डाला। श्री सुंदरेश ने भू–भागीय अनुसंधान के संबंध में डी टी आर एल द्वारा विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों को प्रयोक्ताओं अर्थात सैन्य आसूचना तथा सैन्य ऑपरेशन से आए प्रतिनिधियों को सौंपा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा सीमा सड़क संगठन के लिए भूस्खलन मानचित्र भी जारी किया गया। अपने प्रमुख भाषण में श्री सुंदरेश ने डी टी आर एल की टीम को बधाई दी तथा डी टी आर एल की परियोजनाओं में प्रयोक्ताओं की उपस्थिति तथा उनकी भागीदारी की सराहना की। इस समारोह के दौरान साहित्य कला परिषद् द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे

वार्षिक दिवस के अवसर पर उपस्थित विशिष्ट जनों को संबोधित करते हुए श्री भट्टाचार्य।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे ने 01 मार्च 2014 को अत्यधिक उमंग एवं उत्साह के साथ अपना वार्षिक स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर प्रयोगशाला में एक समारोह का आयोजन किया गया जिसमें डी आर डी ओ में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके 25 कर्मचारियों को एच ई एम आर एल के निदेशक श्री बी भट्टाचार्य, उत्कृष्ट वैज्ञानिक द्वारा सम्मानित किया गया। 15 कर्मचारियों को डी आर डी ओ प्रयोगशाला स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

श्री भट्टाचार्य ने अपने भाषण में कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को अपनी शुभकामनाएं दी तथा प्रयोगशाला द्वारा वर्ष 2013 में प्राप्त की गई उपलब्धियों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। एच ई एम आर एल की निर्माण समिति (वर्क्स कमेटी) ने वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न खेल कार्यक्रम आयोजित किए। इन खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा उप–विजेताओं को श्री भट्टाचार्य द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें 600 से भी अधिक कर्मचारियों

तथा उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। निर्माण समिति (वर्क्स कमेटी) के सचिव ने अपने कार्यकाल के दौरान चलाए गए विभिन्न कल्याणकारी क्रियालापों के बारे में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आई टी एम) मसूरी

दीप प्रज्जवलित करते हुए डॉ एस बी सिंह तथा श्रीमती कुमुदनी सिंह।

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आई टी एम) मसूरी ने 26 फरवरी 2014 को अपना 53वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आई टी एम के निदेशक डॉ एस बी सिंह तथा उनकी पत्नी श्रीमती कुमुदनी सिंह द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ सिंह ने संस्थान को गौरवपूर्ण ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक समर्पित टीम को तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। वर्ष 2013 में आई टी एम द्वारा किए गए कार्यों तथा इसकी उपलब्धियों पर बनाई गई एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर डॉ सिंह द्वारा संस्थान की गृह हिंदी पत्रिका *सृजन* का विमोचन किया गया। आई टी एम के प्रतिभाशाली कर्मचारियों को डी आर डी ओ प्रयोगशाला स्तरीय पुरस्कार, नकद पुरस्कार तथा सराहना प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर आई टी एम के कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को भी 2013 में आयोजित की गई बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने के लिए पुरस्कृत किया गया। आई टी एम तथा एम ई एस के कर्मचारियों के परिवारों के सदस्यों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया। कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई।

आई एस ओ जागरूकता दिवस का आयोजन

आई एस ओ जागरूकता दिवस का उद्घाटन सत्र।

इलैक्ट्रॉनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलूरु ने 11 मार्च 2014 को आई एस ओ जागरूकता दिवस समारोह का आयोजन किया। एल आर डी ई के निदेशक, श्री एस रवींद, विशिष्ट वैज्ञानिक ने समारोह का उद्घाटन किया तथा इस दिवस को आयोजित करने के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस समारोह के एक हिस्से के रूप में केयर, बैंगलूरु की श्रीमती मणिमोझी थेयोडोर, वैज्ञानिक 'जी', आई एस ओ–'एम आर; श्री एस परमेश्वरन, अध्यक्ष, जांडिग ग्रुप, बैंगलूरु; तथा श्रीमती सी सुंदरी, आई एस ओ की वरिष्ठ टीम सदस्य, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज, बैंगलूरु द्वारा आमंत्रित व्याख्यान दिए गए।

आभार

डी आर डी ओ समाचार का सम्पादक मंडल वर्ष भर नियमित रूप से प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं से संबंधित समाचार भेजने के लिए सभी संवाददाताओं, राजभाषा अधिकारियों, तथा प्रबुद्ध निदेशकगण का आभार व्यक्त करता है।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

मानव संसाधन विकास गतिविधियां

सम्मेलन/सेमिनार/विचार–गोष्ठी/प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/बैठक

सचल रोबोटिकी

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र, बैंगलूरु द्वारा 03–07 फरवरी 2014 के दौरान सचल रोबोटिकी विषय पर एक सतत् शिक्षा कार्यक्रम (सी ई पी) का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम में पहियायुक्त तथा पादयुक्त रोबोटों की गतिशीलता का अध्ययन, गति नियंत्रण, सेंसर, सहज ज्ञान तथा आयोजना सहित सचल रोबोटिकी हेतु प्रौद्योगिकियों की एक व्यापक सूची शामिल थी।

प्रत्येक व्याख्यान के हिस्से के रूप में सचल रोबोटों से संबंधित विभिन्न संगत शीर्षकों से संबद्ध अत्याधुनिक दृश्य प्रदर्शित किए गए। इन दृश्य कार्यक्रमों के पश्चात केयर में किए जाने वाले मामला अध्ययनों तथा विशिष्ट कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा की गई। प्रत्येक दिन के पाठ्यक्रम की समाप्ति पर प्रयोगशाला में उनके क्रियान्वयन का प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ओ आर सी ए डी सॉफ्टवेयर

इलैक्ट्रॉनिक अभिकल्प स्वचालन उपकरण के संबंध में प्रशिक्षण।

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर द्वारा 19–24 मार्च 2014 के दौरान ओ आर सी ए डी सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके इलैक्ट्रॉनिक अभिकल्प स्वचालन उपकरण के संबंध में एक लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य इलैक्ट्रॉनिक सर्किट अभिकल्प, अनुकार तथा पी सी बी लेआउट के लिए ओ आर सी ए डी का प्रयोग करके इलैक्ट्रॉनिक अभिकल्प स्वचालन उपकरण के नवीनतम संस्करण के संबंध में प्रयोगशाला के रक्षा अनुसंधान तथा तकनीकी संवर्ग सेवा के अधिकारियों के तकनीकी कौशल को उन्नत बनाना था। प्रशिक्षण मैसर्स सी ए डी डी सेंटर चेन्नई द्वारा प्रदान किया गया जो भारत में ओ आर सी ए डी सॉफ्टवेयर का एक प्राधिकृत प्रशिक्षक है।

युवा वैज्ञानिकों हेतु सेमिनार

व्याख्यान देते हुए डॉ वी सी पदकी।

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरु ने 05 अप्रैल 2014 को युवा वैज्ञानिकों हेतु 16वां इन–हाउस सेमिनार आयोजित किया। इस अवसर पर रक्षा जैव अभियांत्रिकी तथा चिकित्सा–इलैक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला (डेबेल), बैंगलूरु के निदेशक, डॉ वी सी पदकी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने अनुसंधान तथा विकास क्रियाकलापों एवं डेबेल के द्वारा जिन प्रमुख क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है, उनके संबंध में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने अत्यधिक प्रभावोत्पादक व्याख्यान में डॉ पदकी ने बताया कि सशस्त्र बलों के लिए जीवन सहायक प्रणालियों एवं जैव–चिकित्सीय यंत्रों को अभिकल्पित तथा विकसित करने के दौरान किस प्रकार डेबेल को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ा। आपने यह भी बताया कि किस प्रकार जीवन सहायक तथा सुदूर स्वास्थ्य निगरानी प्रणालियों को स्वदेश में विकसित किए जाने से आयात पर निर्भरता में कमी आई है और इसके कारण उल्लेखनीय मात्रा में विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। युवा वैज्ञानिकों को अपने संदेश में आपने इस बात पर बल दिया कि वे विज्ञान के द्वारा सत्य की खोज के लिए इस महान अवसर का अधिकतम उपयोग करें।

बाद में श्री पलानी कुमार एम, वैज्ञानिक 'सी' ने जी टी आर ई में गैस टरबाइन ईंधनों तथा इसके संघटकों की जांच करने के लिए वायुगतिकी परीक्षण सुविधाओं से संबंधित एक वार्ता प्रस्तुत की।

हिंदी में वैज्ञानिक सेमिनार

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पी एक्स ई), चांदीपुर ने भारत की सुरक्षा के संदर्भ में समुद्र तटों के महत्त्व तथा प्रशासन में हिंदी भाषा के प्रयोग विषय पर

05 मार्च 2014 को हिंदी में एक वैज्ञानिक सेमिनार का आयोजन किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष, डॉ ए के सान्निग्रही, वैज्ञानिक 'एफ' ने सेमिनार के संबंध में एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की।

सेमिनार का उद्घाटन करते हुए श्री पी सी गोपी।

इस अवसर पर पी एक्स ई के निदेशक, श्री आर अप्पउराज ने अपने उद्घाटन भाषण में सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला क्योंकि हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसे कर्मचारियों द्वारा बेहतर रूप में समझा जा सकता है। श्री पी सी गोपी, वैज्ञानिक 'एफ' (सेवानिवृत्त) मुख्य अतिथि थे तथा आपने परीक्षण रेंज में यंत्रों के वैद्युत नियंत्रण विषय पर अपना प्रमुख भाषण दिया।

इस अवसर पर बालासोर स्थित फकीर मोहन कॉलेज के प्रधानाचार्य, डॉ धरित्री दास तथा डी ए वी स्कूल, बालासोर की हिंदी अध्यापिका श्रीमती भारती शास्त्री सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुई थीं। इसमें 19 प्रतिभागियों ने दो अलग–अलग सत्रों के दौरान अपने व्याख्यान दिए। इन सत्रों के दौरान एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। श्री अप्पाउराज ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए तथा श्री एस के राय, हिंदी अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

उच्च शक्तियुक्त विद्युत चुम्बकीय प्रौद्योगिकी

अनुसंधान केंद्र इमारत, हैदराबाद द्वारा अपने रजत जयंती वर्ष समारोहों के हिस्से के रूप में 21 मार्च 2014 को साभिप्राय विद्युत चुम्बकीय व्यतिकरण (ई एम आई) हेतु उच्च शक्तियुक्त वैद्युत चुम्बकीय प्रौद्योगिकी विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य डी आर डी ओ के सभी एकसमान समूहों को उच्च शक्ति विद्युत चुम्बकीय (एच पी ई एम) प्रौद्योगिकी को विकसित करने की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न हुए प्रौद्योगिकीय अंतराल पर चर्चा करने तथा उसका समाधान ज्ञात करने के लिए एक मंच पर लाना था। इस कार्यशाला में डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बी ए आर सी) के विशेषज्ञों को अपनी जानकारियों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

कार्यशाला में चर्चा के दौरान प्रतिभागीगण।

आर सी आई के निदेशक श्री जी सतीश रेड्डी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने इस कार्यशाला का उद्घाटन किया तथा यह आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला के अंत में इस प्रौद्योगिकी को आयुध निर्माण हेतु प्रयोग में लाए जाने के लिए एक प्रयोज्य योजना तैयार की जा सकेगी। उद्घाटन समारोह के दौरान पाठ्यक्रम निदेशक डॉ वी जी बोरकर, वैज्ञानिक 'जी' तथा आर सी आई के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित थे। इस कार्यशाला में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें भारत में तथा इससे बाहर के देशों में उच्च शक्ति के विद्युत चुम्बकीय (एच पी ई एम) प्रौद्योगिकी विकास, स्पंदकों तथा ऐन्टेनाओं एवं लेज़र आधारित निर्देशित ऊर्जा आयुधों के संबंध में विस्तृत प्रणाली स्तरीय व्याख्यान जैसे व्यापक प्रकार के विषय शामिल किए गए। इस कार्यशाला में डॉ वी जी बोरकर, उच्च ऊर्जा सुरक्षा प्रणाली केंद्र (सी एच ई एस एस) के निदेशक श्री सुरंजन पाल, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, इलैक्ट्रॉनिक्स तथा रेडार विकास स्थापना (एल आर डी ई) के डॉ डी सी पांडे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी) के डॉ के सी भट्ट, वैज्ञानिक 'जी', श्री आर के रजावत, एस ओ एच तथा डॉ ऋणि वर्मा, एस ओ ई ने अपना व्याख्यान दिया। इस कार्यशाला में इस क्षेत्र में आगे और विकास के लिए उठाए जाने हेतु आवश्यक ठोस कदमों के संबंध में अनुशंसा की गई तथा सर्वसम्मति से इस बात पर बल दिया गया कि वर्ष में कम से कम एक बार इस प्रकार के तकनीकी सम्मेलन का आयोजन किया जाए।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

संयुक्त राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी

संगोष्ठी सी डी के विमोचन का दृश्य।

बैंगलूरू स्थित डीआरडीओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं द्वारा संयुक्त रूप से **अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी "उत्कर्ष–2014"** का एकदिवसीय आयोजन, दिनांक 20 फरवरी 2014 को रक्षा उड्डयानिकी अनुसंधान स्थापना (डेयर), बैंगलूरू के प्रांगण में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ एवं उद्घाटन श्रीमती के. इंद्रजीत कुमार, आईडीएएस, आईएफए (अनु. एवं वि.) बैंगलूरू के करकमलों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि महोदया ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी में तकनीकी लेखन को प्रभावी बनाने हेतु अपने अनुभवों के साथ–साथ अनेक सुझावों को साझा किया। श्री पी एम सौंदर राजन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डेयर ने मुख्य अतिथि महोदया को स्मृति–चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। श्रीमती सुनीता अवस्थी सिंह, वैज्ञानिक–ई एवं राजभाषा अधिकारी ने उद्घाटन सत्र के दौरान सभागृह में उपस्थित सभी गणमान्य महानुभवों एवं अन्य सदस्यों का स्वागत किया। श्री ए पी रेगुकुमार, वैज्ञानिक–जी एवं संगोष्ठी अध्यक्ष ने अपने संबोधन में संगोष्ठी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला एवं श्री जी आर चौधरी, हिंदी सहायक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में तकनीकी एवं राजभाषा से संबंधित विषयों पर कुल 34 शोध–पत्र प्रस्तुत किए गए जिन्हें कुल छः सत्रों में संचालित किया गया। संगोष्ठी के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम की एक झलक प्रस्तुत की गई। संगोष्ठी के आयोजन से संबंधित कार्यवाही का **'स्मारिका'** एवं सीडी के रूप में प्रकाशन भी किया गया।

एकदिवसीय हिन्दी कार्यशाला

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केन्द्र (डेसीडॉक), दिल्ली द्वारा दिनांक 02 मई 2014 को इलैक्ट्रोनिक संचार नामक विषय पर एकदिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री एस के जिंदल, निदेशक, डेसीडॉक ने इसका उद्घाटन किया। अपने उद्बोधन ने निदेशक महोदय ने इलैक्ट्रोनिक संचार पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी में संचार से संबंधित पुस्तकों के विषय में बताया। आपने कहा कि संचार को हिन्दी में अधिक से अधिक से प्रकाशित किया जाना चाहिए ताकि यह केवल एक तकनीकी विषय न रहकर बड़ी ही सरलता से सभी तक पहुंचे। आपने डेसीडॉक द्वारा ली जा रही आई डी एस टी परियोजना के बारे में भी बताया।

कार्यशाला में व्याख्यान देने के लिए डॉ के के झा, पूर्व उपनिदेशक, डील, देहरादून को आमंत्रित किया गया। अपने व्याख्यान में डॉ झा ने इलैक्ट्रोनिक संचार के विभिन्न माध्यमों के विषय में जानकारी दी। आपने विशेषकर मोबाइल फोन से होने वाले लाभ एवं हानियों पर चर्चा की। डेसीडॉक परिवार के 130 सदस्यों ने इसमें भाग लिया। श्री फूलदीप कुमार, राजभाषा अधिकारी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिन्दी कार्यशाला में प्रतिभागियों से चर्चा करते डॉ के के झा, पूर्व उपनिदेशक, डील, देहरादून (बांये), साथ में बैठे हैं श्री सुरेश कुमार जिंदल, निदेशक, डेसीडॉक, दिल्ली।

कार्मिक समाचार

नियुक्तियां

सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक), बैंगलूरु

श्री पी जयपाल, वैज्ञानिक 'जी' को 02 अप्रैल 2014 से सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक), बैंगलूरु में मुख्य कार्यपालक (उड़नयोग्यता) के पद पर नियुक्त किया गया है। श्री पी जयपाल, एम आई टी, अन्ना विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं जहां से आपने वर्ष 1983 में वैमानिकी अभियांत्रिकी विषय में बी टेक की उपाधि तथा वर्ष 1985 में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है।

मुख्य कार्यपालक (उड़नयोग्यता) के पद पर कार्य करते हुए आप भारत भर में स्थित 14 क्षेत्रीय सैन्य उड़नयोग्यता केंद्रों (आर सी एम ए) में किए जा रहे सभी उड़नयोग्यता क्रियाकलापों पर निगरानी रखने के लिए तथा सभी सैन्य वायुवाहित यानों/भंडारों की उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी हैं। आप हलके युद्धक वायुयान (एल सी ए), उन्नत हलके हेलिकॉप्टर (ए एल एच), एच जे टी–36, मानवरहित वायुयानों तथा रक्षा सेवाओं द्वारा चलाए जा रहे अनेक प्रमुख उन्नयन कार्यक्रमों के संबंध में उड़नयोग्यता क्लियरेंस प्रमाणीकरण क्रियाकलापों पर निगरानी रखेंगे।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

पुरस्कार

सर्वोत्तम लेख पुरस्कार

डॉ राजीव विज़, वैज्ञानिक 'एफ', नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली को आई आई टी, रुड़की में 22–24 फरवरी 2014 के दौरान 'परिवर्तनशील सूचना संसार में पुस्तकालयों के प्रबंधन : अस्तित्व बनाए रखने से लेकर उन्नति पर होने तक' विषय पर आयोजित किए गए 59वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इनमास पुस्तकालय में सर्जनात्मकता, नवप्रवर्तन तथा उद्यमिता विषय पर सर्वोत्तम लिखित तथा प्रस्तुत लेख के लिए आई एल ए–डॉ सी डी शर्मा पुरस्कार 2014 से पुरस्कृत किया गया है।

आई एल ए–डॉ सी डी शर्मा पुरस्कार प्राप्त करते हुए डॉ विज़ (बाएं)।

श्री पीटर अरुण एम, आर सी एम ए (वायुयान), सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक), बैंगलूरु को आई आई टी, कानपुर में 13–15 मार्च 2014 के दौरान संपन्न गतिक प्रणालियों के उन्नत नियंत्रण तथा इष्टतमीकरण विषय पर आयोजित किए गए तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्थिर विंग वाले मानवरहित वायुयानों के लैंडिंग हेतु पहुंचने के दौरान रन–वे का विज़न आधारित संरेखण" विषय पर लिखे गए लेख के लिए सम्मेलन के सर्वोत्तम लेख पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

डॉ संजय मोहन गुप्ता, वैज्ञानिक 'डी' को पंत नगर जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम द्वारा 04–06 मार्च 2014 के दौरान 'चिकित्सा तथा कृषि के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी : कृषि उत्पादकता हेतु ओमिक्स के आनुवंशिकी अभियांत्रिकी विज्ञान के सिद्धांत तथा पद्धतियां एवं तकनीक : भावी परिदृश्य' विषय पर आयोजित किए गए राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सर्वोत्तम लेख प्रस्तुत करने के लिए सोसायटी फॉर प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी ने युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे ने 04–10 मार्च 2014 के दौरान 43वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पी एक्स ई), चांदीपुर के निदेशक श्री आर अप्पाउराज ने रेंज सुरक्षा विषय पर एक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर सुरक्षा के लिए आयोजित किए गए जागरूकता अभियान के एक हिस्से के रूप में ए आर डी ई में सुरक्षा स्लोगन, निबंध लेखन तथा प्रारूप लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

श्री आर अप्पाउराज को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए ए आर डी ई के सह–निदेशक श्री कपिल देव।

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि ने सुरक्षा के संबंध में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए 04–11 मार्च 2014 के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया। इस अभियान की शुरुआत वरिष्ठतम तकनीशियन द्वारा झंडा दिखाकर की गई। एन पी ओ एल के सभी कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा दिवस शपथ ली गई तथा केरल सरकार के अग्निशमन तथा राहत सेवा विभाग द्वारा अग्निशमन का एक प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का समापन कोच्चि स्थित अमृत इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के डिपार्टमेंट ऑफ एमरजेंसी मेडिसिन के प्रमुख डॉ गिरीश कुमार के पी, प्राध्यापक और उनकी टीम द्वारा 'चिकित्सीय आपात की स्थिति में बुनियादी जीवन रक्षा सहायता' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान तथा प्रत्यक्ष प्रदर्शन कार्यक्रम के साथ हुआ। सुरक्षा के संबंध में जागरूकता सृजित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

बुनियादी जीवन रक्षा सहायता विषय पर एन पी ओ एल में प्रदर्शन।

उच्च अर्हता प्राप्ति

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी), बैंगलूरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी), बैंगलूरु के श्री मृत्युंजय संतरा, वैज्ञानिक 'एफ' को उनके द्वारा "रैखिक बीम सूक्ष्मतरंग नलिकाओं में इलैक्ट्रॉन बीम के परिवहन हेतु फोकसन संरचनाओं का अभिकल्प तथा अध्ययन" विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए बैंगलूरु विश्वविद्यालय, बैंगलूरु द्वारा पीएच डी की उपाधि प्रदान की गई।

खेलकूद समाचार

साईकिल रैली

संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई), चेन्नई के एडवेंचर क्लब ने डी आर डी ओ द्वारा सशस्त्र बलों के लिए अभिकल्पित तथा विकसित किए गए उत्पादों के बारे में आम जनता में जागरूकता उत्पन्न करने तथा साथ ही विद्यार्थी समुदाय को डी आर डी ओ में अनुसंधान तथा रोजगार अवसरों के बारे में जागरूक बनाने के लिए 10–14 मार्च 2014 के दौरान वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वी आई टी), वेल्लोर तक एक साईकिल रैली का आयोजन किया।

रैली को झंडा दिखाकर रवाना करने के लिए आयोजित किए गए समारोह में श्री अनिल एम दातार, डॉ एस सुंदरेशन, श्री अविनाश चंदर, डॉ पी शिवकुमार तथा डॉ जे पी सिंह (बाएं से दाएं)।

रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के महानिदेशक श्री अविनाश चंदर ने इस रैली को झंडा दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर महानिदेशक (ए सी ई) श्री एस सुंदरेश, विशिष्ट वैज्ञानिक, ए आर डी ई, पुणे के निदेशक श्री अनिल एम दातार, विशिष्ट वैज्ञानिक, सी वी आर डी ई के निदेशक डॉ पी शिवकुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, संसदीय कार्य निदेशक डॉ जे पी सिंह तथा डी आर डी ओ मुख्यालय एवं डी आर डी ओ की अन्य सहायक प्रयोगशालाओं से अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे। इस रैली में पुणे, बैंगलूरु, कोच्चि, बालासोर तथा चेन्नई स्थित डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं तथा स्थापनाओं से लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वेल्लोर के मार्ग में टीम मम्मालन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा श्रीपेरुम्बदुर के निकट स्थित दो अन्य स्कूलों में पहुंची तथा डी आर डी ओ के अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया तथा अर्जुन एम बी टी से गोलों को दागने के परीक्षण को दर्शाने वाला एक वीडियो प्रदर्शित किया।

लौटते समय रैली को वी आई टी के उपाध्यक्ष श्री शेखर विश्वनाथन द्वारा झंडा दिखाकर रवाना किया गया। वापसी की यात्रा के दौरान टीम पल्लवन इंजीनियरिंग कॉलेज, अराकोणम तथा भक्तवत्सलम पॉलिटेक्निक, कांचीपुरम पहुंची और वहां छात्रों को डी आर डी ओ में भर्ती के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया।

डी आर डी ओ दक्षिणी क्षेत्र क्रिकेट टूर्नामेंट

उद्घाटन मैच के लिए सिक्का उछालते हुए श्री के एस राम प्रसाद।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरु द्वारा 7वें डी आर डी ओ दक्षिणी क्षेत्र क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस 6–दिवसीय टूर्नामेंट का उद्घाटन 24 मार्च 2014 को जी टी आर ई के स्थानापन्न निदेशक श्री के एस राम प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा किया गया। इस टूर्नामेंट में डी आर डी ओ की दक्षिणी ज़ोन में स्थित प्रयोगशालओं से 10 टीमों ने भाग लिया। ए डी ई, बैंगलूरु की टीम विजेता टीम तथा एन पी ओ एल, कोच्चि की टीम उप–विजेता टीम घोषित की गई। जी टी आर ई के श्री एस पी सुरेश कुमार, वैज्ञानिक 'जी' ने समापन समारोह की अध्यक्षता की तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण

रक्षा इलैक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून

श्री अविनाश चंदर, डील की गतिविधियों में रूचि लेते हुए।

05 मार्च 2014 : रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, श्री अविनाश चंदर। यहां आपने सॉफ्टवेयर निर्धारित रेडियो (एस डी आर) कार्यक्रम की समीक्षा की। इस अवसर पर आपको रक्षा इलैक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) द्वारा चलाई जा रही अन्य चालू परियोजनाओं के बारे में भी संक्षेप में बताया गया।

भर्ती तथा मूल्यांकन केंद्र (आर ए सी), दिल्ली

छात्रों के साथ बातचीत करते हुए आर ए सी के निदेशक श्री आर के जैन।

14 मार्च 2014 : महाराजा अग्रसेन प्रौद्योगिकी संस्थान (एम ए आई टी) के बी टेक के 61 छात्र।

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरु

लेफ्टिनेंट जनरल सुनित कुमार को केयर की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

12 मार्च 2014 : लेफ्टिनेंट जनरल सुनित कुमार, अति विशिष्ट सेवा मेडल, महानिदेशक, सूचना प्रणाली। इस अवसर पर कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरु के निदेशक, श्री संजय बर्मन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने दौरे पर आए अतिथियों को केयर द्वारा ओ आई एस सुरक्षा समाधान के क्षेत्र में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों के बारे में संक्षेप में बताया।

अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद

06 मार्च 2014 : भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, डॉ आर चिदम्बरम।

11 मार्च 2014 : इसरो के अध्यक्ष, डॉ के राधाकृष्ण।

ISSN 0971-4405

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बैंगलूरु

वाइस एडमिरल एस लाम्बा, कैब्स का भ्रमण करते हुए।

14 मार्च 2014 : वाइस एडमिरल एस लांबा, अति विशिष्ट सेवा मेडल, कमान्डेंट, नेशनल डिफेंस कॉलेज तथा 54वें एन बी सी पाठ्यक्रम के अधिकारी।

29 मार्च 2014 : एयर मार्शल दलजीत सिंह, परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट मेडल, ए ओ सी–इन–सी, एस डब्ल्यू ए सी, भारतीय वायु सेना।

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर

सुश्री वंदना कुमार को डी एल की गतिविधियों के बारे में बताया जा रहा है।

13 मार्च 2014 : सुश्री वंदना कुमार, आई एफ ए (आर एंड डी), आई डी ए एस। इस दौरान आपने रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर में किए जा रहे तकनीकी क्रियाकलापों के संबंध में फौरी जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रयोगशाला के निदेशक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ विचार–विमर्श किया।

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टी बी आर एल), चंडीगढ़

03 फरवरी 2014 : मेजर जनरल बिशम्भर सिंह, समाघात अभियांत्रिकी। आपने टी बी आर एल में ब्लास्ट एवं डैमेज स्टडीज सुविधा का भ्रमण किया।

मेजर जनरल बिशम्भर सिंह, टी बी आर एल की की गतिविधियों में रूचि लेते हुए।

08 अप्रैल 2014 : श्री वी भुजंग राव, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास, डी आर डी ओ मुख्यालय। आपने टी बी आर एल में परीक्षण स्थल का भ्रमण किया।

श्री वी भुजंग राव, टी बी आर एल की गतिविधियों में रूचि लेते हुए।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

मुख्य सम्पादक	सम्पादक	सहायक सम्पादक	सम्पादकीय सहायक	मुद्रण	विपणन
सुरेश कुमार जिंदल	फूलदीप कुमार	अशोक कुमार	नरेश कुमार लोर	एस के गुप्ता हंस कुमार	आर पी सिंह

श्री सुरेश कुमार जिंदल, निदेशक, डेसीडॉक द्वारा डी आर डी ओ की ओर से मुद्रित एवं प्रकाशित

प्रकाशक : डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054 ; दूरभाष : 011-23812252 ; फैक्स : 011-23813465 ; ई-मेल : director@desidoc.drdo.in